2012-07-09 -Badrinath Shankaracharya Jyotirmath Certificate (1272)



।। श्री शङ्कराचार्यो विजयतेतराम् ।।

*श्री:*

श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्य्यपदवाक्यप्रमाणपारावारपारीणयमनियमासनप्राणायामप्रत्याहारधारणाध्यानसमाध्यष्टाङ्गयोगानुष्ठाननिष्ठतपश्चर्य्याचरणचक्रवर्त्यनादिगुरुपरम्पराप्राप्तवैदिकदर्शनमतस्थापनाचार्य्यसकलनिगमागमासारहृदयवैदिकमार्गप्रवर्त्तकसर्वतन्त्रस्वतन्त्रचातुर्वर्ण्यसंरक्षकश्रीमन्महाराजाधिराजगुरुभूमण्डलाचार्यजगद्गुर्वनन्तश्रीविभूषितश्रीमदादिशङ्कराचार्य्यभगवत्पादपद्मभृङ्गायमानाः श्रीमदनेकशासनतिरस्कृतान्तेवासिजनमनस्तमस्स्तोमाः शश्वत्सार्वभौमविश्वजनीनसनातनधर्मसंरक्षणबद्धपरिकराः परापरविद्याविद्योतितान्तःकरणाः समस्तसम्प्रदायसमन्वयसाधन दत्तचित्ताः विविधविरुदावलिविराजमानमानोन्नताः अलकनन्दागङ्गातीरनिवास्युत्तराम्नायश्रीमज्ज्योतिष्पीठाधीश्वराः श्रीमद्वासुदेवानन्दसरस्वतीस्वामिवर्य्याः विजयन्तेतराम्।

पत्रांक..................

**१. ज्योतिर्मठ**
पोस्ट-जोशीमठ
जिला-चमोली
गढ़वाल, (उत्तरांचल)
दूरभाष-(०१३८९)२२१२७

**२. श्री शंकराचार्य आश्रम**
५६, श्री ब्रह्मनिवास
१५ अलोपीबाग,
प्रयाग, (उ०प्र०)
दूरभाष -(०५३२) ५०००९७
५०२१५८

**३. साम्प्रतिक वास**



दिनांक ८-६-२०१२

आम जनता के हित में और मुख्यतः सनातन धर्म के अनुयायियों के हित में यह स्पष्ट किया जाता है कि कुछ स्थलों पर प्रचलित धर्म - जिसका नाम सतपंथ धर्म (पीराणा सतपंथ धर्म उर्फ सतपंथ सनातन धर्म उर्फ सतपंथ सनातन वैदिक धर्म (और समय समय पर उनके द्वारा अपनाया हुआ अन्य कोई भी नाम) एवम् उनसे सम्बन्धित धार्मिक प्रचार, रीति रिवाज और प्रथा है, जिसे सुविधा के - लिये सतपंथ धर्म कहा जाता है,

यह सतपंथ धर्म अनादि काल से प्रचलित सनातन धर्म (जिसे आम तौर पर हिन्दू धर्म कहा जाता है) का अंश / भाग / हिस्सा नहीं है। और यह धर्म और उससे - सम्बन्धित धार्मिक प्रचार रीति रिवाज और प्रथा इत्यादि का सनातन धर्म से कोई भी सम्बन्ध नहीं है। वस्तुतः सतपंथ धर्म मुस्लिम धर्म है। सतपंथ धर्म से हिन्दुओं को सजग और सचेष्ट रहना चाहिए।

इत्यलम्

आज्ञया - श्रीचरणानाम्

[illegible]

॥ श्री शङ्कराचार्यो विजयतेतराम् ॥

*श्रीः*

श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्य्यपदवाक्यप्रमाणपारावारपारीणयमनियमासनप्राणायामप्रत्याहारधारणाध्यानसमाध्यष्टाङ्गयोगानुष्ठाननिष्ठतपश्चर्य्याचरणचक्रवर्त्यनादिगुरुपरम्पराप्राप्तवैदिकदर्शनमतस्थापनाचार्य्यसकलनिगमागमासारहृदयवैदिकमार्गप्रवर्त्तकसर्वतन्त्रस्वतन्त्रचातुर्वर्ण्यसंरक्षकश्रीमन्महाराजाधिराजगुरुभूमण्डलाचार्यजगद्गुर्वनन्तश्रीविभूषितश्रीमदादिशङ्कराचार्य्यभगवत्पादपद्मभृङ्गायमानाः श्रीमदनेकशासनतिरस्कृतान्तेवासिजनमनस्तमस्स्तोमाः शश्वत्सार्वभौमविश्वजनीनसनातनधर्मसंरक्षणबद्धपरिकराः परापरविद्याविद्योतितान्तःकरणाः समस्तसम्प्रदायसमन्वयसाधन दत्तचित्ताः विविधविरुदावलिविराजमानमानोन्नताः अलकनन्दागङ्गातीरनिवास्युत्तराम्नायश्रीमज्ज्योतिष्पीठाधीश्वराः श्रीमद्वासुदेवानन्दसरस्वतीस्वामिवर्य्याः विजयन्तेतराम्।

ज्योतिर्मठ उत्तराम्नायः

बदरिकाश्रमः

दिनांक 8-6-2012

पत्रांक..................

१. ज्योतिर्मठ
पोस्ट-जोशीमठ
जिला-चमोली
गढ़वाल, (उत्तरांचल)
दूरभाष-(०१३८९)२२१२७

२. श्री शंकराचार्य आश्रम
५६, श्री ब्रह्मनिवास
१५ अलोपीबाग,
प्रयाग, (उ०प्र०)
दूरभाष-(०५३२) ५०००९७
५०२१५८

३. साम्प्रतिक वास



आम जनता के हित में और मुख्यतः सनातन धर्म के अनुयायियों के हित में यह स्पष्ट किया जाता है कि कुछ स्थलों पर प्रचलित धर्म - जिसका नाम सतपंथ धर्म (पीराणा सतपंथ धर्म उर्फ सतपंथ सनातन धर्म उर्फ सतपंथ सनातन वैदिक धर्म (और समय समय पर उनके द्वारा अपनाया हुआ अन्य कोई भी नाम) एवम् उनसे सम्बन्धित धार्मिक प्रचार, रीति रिवाज और प्रथा है, जिसे सुविधा के - लिये सतपंथ धर्म कहा जाता है,

यह सतपंथ धर्म अनादि काल से प्रचलित सनातन धर्म (जिसे आम तौर पर हिन्दू धर्म कहा जाता है) का अंश / भाग / हिस्सा नही है। और यह धर्म और उससे - सम्बन्धित धार्मिक प्रचार रीति रिवाज और प्रथा इत्यादि का सनातन धर्म से कोई भी सम्बन्ध नही है। वस्तुतः सतपंथ धर्म मुस्लिम धर्म है। सतपंथ धर्म से हिन्दुओ को सजग और सचेष्ट रहना चाहिए।

इत्यलम्

आज्ञया - श्रीचरणानाम्

ब्रह्मचारी [illegible]